भा.कृ.अ.प. -केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers
Barrackpore, Kolkata-700120
Email: director.crijaf@icar.gov.in; crijaf-wb@nic.in
Phone: 033-25356124; 033-25356124

पटसन और समवर्गीय रेशों के कृषक समुदाय को कृषि-सलाह सेवाएं (31 मार्च से 7 अप्रैल, 2020) एवं COVID-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सुरक्षा और निवारक उपाय

COVID-19 महामारी ने दुनिया के कई देशों को प्रभावित किया है और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'महामारी' घोषित कर दिया है। भारत सरकार और राज्य सरकारें घातक COVID-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कई सक्रिय निवारक और शमनकारी उपाय कर रही हैं जिसके फलस्वरूप 14 अप्रैल, 2020 तक लॉकडाउन की घोषणा भी कर दी हैं।

जैसा कि हम सभी जानते हैं की यह लॉकडाउन अवधि जूट और समवर्गीय रेशों की बुवाई अवधि के साथ मेल खा रही है। लॉकडाउन के बाद बुवाई करने से मिट्टी की नमी भी थोड़ी बदल जाएगी और रेशे की मात्रा और गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। लॉकडाउन से विभिन्न कृषि और संबद्ध गतिविधियों में छूट दी गयी है (जैसे खेत में किसानों और श्रमिकों द्वारा खेती संचालन करना; खेत मशीनरी से संबंधित कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी), भूमि तैयार करना, जुताई, पटसन की बुआई करना, सन और अलसी की कटाई) जो कि पटसन और समवर्गीय रेशो के लिए अत्यधिक फायदेमंद हैं। बुवाई और खेती की वैज्ञानिक तकनीकों को सुविधाजनक बनाने और इसी के साथ COVID-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिए ICAR-CRIJAF ने पटसन और समवर्गीय रेशो कि खेती वाले कृषक समुदाय के लाभ के लिए 31 मार्च से 7 अप्रैल, 2020 तक की अवधि के लिए एक कृषि-सलाह तैयार की है |

पटसन उत्पादकों के लिए कृषि-सलाह (31 मार्च से 7 अप्रैल 2020):

1. अगले 5-7 दिनों में बारिश आने की कोई संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 32 से 38० सी और न्यूनतम 22-25० C होने की उम्मीद है। इसलिए मिट्टी के अंदर जो नमी बची है उसका लाभ प्राप्त करने के लिए किसानो को पटसन की बुवाई के लिए खेत की तैयारी तुरंत शुरू करनी होगी।

2. अच्छी उपज और गुणवत्ता वाले रेशे प्राप्त करने के लिए, पटसन की जे°आर°ओ° 204 (सुरेन) किस्म का उपयोग करें और बुवाई से कम से कम 4 घंटे पहले बाविस्टिन 50 WP या कारबेंडाजिम (2g प्रति किलो बीज) के साथ बीज का उपचार करना चाहिए |

3. बुआई क्रिजैफ मल्टी रो सीड ड्रिल मशीन के माध्यम से की जानी चाहिए जिसके लिए आवश्यक बीज कि मात्र केवल 350 - 400 ग्राम / बीघा होगी।

4. एक लाइन से दूसरी लाइन कि दूरी 20-25 सेंमी और बुवाई की गहराई 3 सेंमी रखें |

5. बुवाई के बाद खेत की खुदाई करने से यह मिट्टी की नमी के संरक्षण के लिए डस्ट मल्च के रूप में काम करेगा जो बीज के बेहतर अंकुरण के लिए भी अच्छा साबित होगा।

6. मध्यम और उच्च उर्वरता वाली भूमि के लिए, उर्वरक कि मात्रा N: P_2O5 : K2 O : : 60:30:30 किलोग्राम / हेक्टेयर निर्धारित की गयी है । कम उर्वरता वाली भूमि के लिए यह थोड़ी ज्यादा मतलब 80:40:40 किलोग्राम / हेक्टेयर होगी। नाइट्रोजन को 2-3 बार में अलग अलग दिया जाता है हालांकि फास्फोरस और पोटाश को शुरूआत मे ही पूरा दे दिया जाना चाहिए। किसान मिट्टी की जांच के अनुसार वास्तविक N: P : K की मात्रा के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड का भी उपयोग कर सकते हैं

7. खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बुवाई के 48 घंटे बाद सिंचाई के साथ ही प्रेटिलाक्लोर 50 ईसी @ 3 मिली / लीटर पानी का छिड़काव करें दें । यदि प्रेटिलाक्लोर उपलब्ध नहीं है तो ब्युटाक्लोर 50ईसी @ 4 मिली / लीटर पानी बुवाई के 48 घंटे बाद ही दें, लेकिन इसके लिए सिंचाई की जरूरत नहीं है। एक बीघा जमीन में स्प्रे के लिए 80 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।

8. किसानों को सलाह दी जाती है कि वे वर्तमान स्थिति में खेती से संबन्धित मामले से किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में संस्थान के वैज्ञानिक को फोन के माध्यम से संपर्क करें ।

COVID-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सुरक्षा और निवारक उपाय-

COVID-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिए क्षेत्र संचालन की पूरी प्रक्रिया में हर कदम पर सामाजिक दूरी बनाना, साबुन से हाथ धोना, चेहरे पर नकाब पहनना, साफ सुथरे कपड़े पहनकर व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, इन सभी सुरक्षा उपायों का पालन करना है। ।

1. हाथ से बुवाई के मामले में, एक व्यक्ति को एक 4-5 फीट की पट्टी के अंदर रहकर ही काम पूरा करना होगा जिससे की काम करने वाले सभी मज़दूरों के बीच पर्याप्त दूरी बनी रह सके |

2. भूमि की तैयारी, बुवाई, निराई, सिंचाई में लगे सभी लोगों को फेस मास्क का उपयोग करना चाहिए और उचित अंतराल पर बार बार साबुन से हाथ धोयें |

3. यदि संभव हो सके तो हाथ से बुवाई करने की बजाय क्रिजैफ सीड ड्रिल का उपयोग करें जहाँ भी संभव हो फील्ड ऑपरेशनों को कम से कम करें और एक ही दिन में बुवाई और भूमि की तैयारी के लिए अधिक संख्या में लोगों को न बुलाएँ ।

4. यदि मशीनों को किसान समूहों द्वारा साझा और उपयोग किया जाता है तो सभी मशीनों जैसे कि सीड ड्रिल, नेल वीडर, सिंचाई पंप, टाइलिंग उपकरण, ट्रैक्टर आदि की उचित स्वच्छता और सफाई बनाए रखें । मशीन के पुर्जों को भी बार-बार साबुन से धोएँ।

5 विश्राम के दौरान 3-4 फीट की सुरक्षित दूरी एक दूसरे से बनाए रखें, घर पर ही बीज उपचार, खाद और उर्वरकों की लोडिंग / अनलोडिंग ये सभी कम करें।

6. क्षेत्र की गतिविधि के दौरान किसी भी संदिग्ध या संभावित वाहक के प्रवेश से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा अपने परिवार के सदस्यों से ही कम लें |

7. अपने जानने वाली दुकान से ही बीज इकट्ठा करें और बाजार से लौटने के बाद तुरंत अपने हाथ और शरीर के उजागर भागों को अच्छी तरह धोयें । बीज खरीदने के लिए बाजार जाते समय हमेशा फेस मास्क का प्रयोग करें।

उपरोक्त उपायों के अलावा, लॉकडाउन अवधि के दौरान वैज्ञानिकों, व्यक्तिगत किसानों, प्रगतिशील किसानों, किसान क्लब, एफपीओ के साथ फोन के माध्यम से संपर्क में रहें और लगातार COVID-19 वाइरस प्रसार की जांच करने के लिए सभी सावधानी बरतते हुए आवश्यक कृषि कार्यों को पूरी सावधानी से करने की सलाह दें |

किसानों को अपने क्षेत्रों में विशिष्ट किस्म की जूट बीज की आवश्यकता और बुवाई की संभावित तिथि का अनुमान लगाने के लिए फोन पर सूचित किया गया है। उन्हें नमी और ट्रैक्टर की उपलब्धता के अनुसार जमीन तैयार करने और संबंधित वैज्ञानिकों को सूचित करने की सलाह भी दी गयी है।

किसानों को यह सूचित किया जाता है कि लॉकडाउन स्थिति में सामाजिक दूरी बनाए रखकर आवश्यक कृषि कार्य विशेष रूप से बीज, उर्वरक और औजार की व्यवस्था, ये सभी किए जा सकते है |

इस संदर्भ में संपर्क किसानों को फोन पर सलाह दी जा रही है कि वे संस्थान से बीजों को लेने के लिए उसकी मात्रा और किस्म के साथ पूर्व सूचना (कम से कम 2-3 दिन) करके संबंधित वैज्ञानिकों से समय लेकर उसे अलग-अलग समय पर आकर इकट्ठा करें |

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे वर्तमान स्थिति में खेती से संबन्धित मामले से किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में संस्थान को फोन के माध्यम से संपर्क करें ।